सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 181 पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार 5 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

हे मानव! तू क्या गर्व करता है? काल अपने हाथों में तेरे केश पकड़े हुए है। मालूम नहीं, वह घर या परदेश में, कहाँ पर तुझे मार डाले।

-कबीर दास


इंग्लैंड में मो. सिराज ने की बुमराह के... 7 | लोकसभा में अमित शाह और जयशंकर... 3 | यूपी में बाढ़, वीआईपी सेवा में... 2


# क्या सरकार की प्रताड़ना ने ली सत्यपाल मलिक की जान!

## जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर का निधन

» किसान आंदोलन पुलवामा हमले, पेगासस जासूसी मुद्दे पर उन्होंने जो कुछ कहा, वह सत्ता के लिए राजद्रोह बन गया!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। शिबू सोरेन की मौत की खबर से सत्र देश को एक और महान नेता की मौत की खबर ने हिला कर रख दिया है। जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक का निधन हो गया है। 79 साल के सत्यपाल मलिक का इलाज दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में चल रहा था। सत्यपाल मलिक भी किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे।

तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां आज उपचार के दौरान उनकी मौत की खबर सामने आयी। उनके निधन की खास बात यह रही कि सत्यपाल मलिक की अगुवाई में 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था और आज 5 अगस्त 2025 के ही दिन सत्यपाल मलिक का निधन हुआ। देश की राजनीति की लगभग हर विचारधारा के हिस्सेदार रहे हैं सत्यपाल मलिक के बीजेपी से रिश्ते बहुत ही खराब दौर से गुजर रहे थे। उनकी मौत के बाद सवाल यही उठ रहा है कि क्या सरकार की प्रताड़ना ने सत्यपाल मलिक की जान ले ली?

### सत्यपाल मलिक के वो बयान जो बने सरकार के गले की फांस

#### कृषि कानूनों पर उनकी राय

किसान आतंकवादी नहीं, इस देश की आत्मा हैं। सरकार माफी मांगे और कानून वापस ले।

#### पुलवामा हमले पर बोले

पुलवामा हमले पर उन्होंने कहा था कि हमला सरकार की लापरवाही से हुआ। मैंने खुद प्रधानमंत्री को बताया था कि सेना रोड से ट्रैवल न करे, एयरलिफ्ट की मांग की गई थी, पर मंजूरी नहीं मिली।

### बीमारी से या फिर किसी दूसरे कारण से मरे सत्यपाल मलिक?

सत्यपाल मलिक की मौत का आधिकारिक बुलेटिन चाहे जो कहे लेकिन असलियत यह है कि उनका दिल टूट चुका था सत्ता की निष्ठुरता से, लोकतंत्र की चुप्पी से और अपने ही बनाए संगठन के प्रतिशोध से। जब आपको हर मंच से हटाया जाए हर बयान को तोड़ा-मरोड़ा जाए हर सोशल मीडिया पोस्ट को रिपोर्ट किया जाए तो शरीर नहीं आत्मा मरने लगती है। क्या ऐसा ही कुछ सत्यपाल मलिक के साथ हुआ? यह बड़ा सवाल है जिसका उत्तर शायद अब कभी ही मिल पाए। सत्यपाल मलिक ने बीजेपी और आलाकमान को विभिन्न मंचों के माध्यम से सीधी चुनौती दी और अपने पूछ गये सवालों के उत्तर जानना चाह। उन्होंने कई बार कहा कि जाट मरा जब जानियो जब तेरहीं हो जाए। सत्यपाल मलिक अब नहीं है लेकिन उनके सवाल, उनका राजनीतिक प्रतिरोध अभी बाकी है।

### भाजपा विरोध, जीवन के लिए खतरा!

सवाल यही है कि क्या भाजपा का विरोध अब जीवन के लिए खतरा बन गया है? गौरी लंकेश मारी गई क्योंकि उन्होंने संघ की आलोचना की। स्टेन स्वामी को जेल में मरने दिया गया क्योंकि वे आदिवासियों के लिए खड़े हुए। तो क्या यह मान लिया जाए कि सत्यपाल मलिक की मौत इसलिए हुई कि वह सत्य बोलते थे और उनके बयानों ने पूरे सिस्टम को हिला कर रख दिया था।

### जैसा नाम वैसा काम

सत्यपाल मलिक का जैसा नाम था वैसा ही जीवन उन्होंने गुजरा। उन्होंने उच्च पदों पर रहते हुए भी कभी सच से मुह नहीं मोड़ा और हमेशा सच का साथ दिया। शायद यही कारण था कि जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के पद पर रहते हुए उनके राजनीतिक रिश्ते बीजेपी आलाकमान से खराब हो गये और उन्हें जीवन के अंतिम दिनों में खराब समय गुजारना पड़ा। किसान आंदोलन, पुलवामा हमले, पेगासस जासूसी और अडानी मुद्दे पर उन्होंने जो कुछ कहा वह सत्ता के लिए राजद्रोह बन गया। वह भाजपा के द्वारा नियुक्त राज्यपाल थे लेकिन जब उन्होंने मोदी-शाह की जोड़ी को आइना दिखाया तो उनके बयान अघोषित आपातकाल में डूब गए। 2019 के पुलवामा हमले में 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। इस मुद्दे पर सत्यपाल मलिक ने खुलकर कहा- हमला सरकार की लापरवाही से हुआ। मैंने खुद प्रधानमंत्री को बताया कि सेना रोड से ट्रैवल न करे एयरलिफ्ट की मांग की गई थी, पर मंजूरी नहीं मिली।

### लंबा राजनीतिक कॅरियर

सत्यपाल मलिक करीब 57 साल से राजनीति में थे। उन्होंने अपने राजनीति कॅरियर में एक बार लोकसभा चुनाव और एक बार विधानसभा चुनाव जीता था। सत्यपाल मलिक वर्ष 1968 में मेरठ कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष बने थे। इस तरह छात्र जीवन में ही उन्होंने राजनीति में एंट्री कर ली थी, लेकिन उनका औपचारिक सियासी सफर वर्ष 1974 में शुरू हुआ। उन्होंने चौधरी चरण सिंह की पार्टी भारतीय क्रांति दल जॉइन की थी, जो बाद में राष्ट्रीय लोकदल कहलाई।

### परिवार में कौन-कौन?

सत्यपाल मलिक 24 जुलाई 1946 को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के हिसावड़ा गांव में एक जाट परिवार में जन्मे थे। उन्होंने मेरठ कॉलेज से साइंस में BSC की। ग्रेजुएशन के बाद LLB की डिग्री ली। सत्यपाल के पिता का नाम बुध सिंह था। सत्यपाल मलिक जब डेढ़ साल के थे, तब उनके पिता का देहांत हो गया था। सत्यपाल मलिक की पत्नी का नाम इकबाल मलिक और वे टीचर एवं पर्यावरणविद हैं। सत्यपाल मलिक के बेटे देव कबीर मशहूर ग्राफिक डिजाइनर हैं, जिन्होंने बीयर ब्रांड बीरा का लोगो डिजाइन किया है।

### मोदी सरकार की राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार हो गये सत्यपाल!

गोवा के राज्यपाल रहते हुए उन्होंने कुछ सरकारी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की बात की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने उन पर भी ईडी/सीबीआई जांच की आड़ से दबाव बनाया। भाजपा के प्रवक्ताओं ने उन्हें 'बेसब्र' और 'सठिया गया' तक कह दिया। यही वह नरमी में लिपटी क्रूरता है जिसकी वजह से सत्यपाल मलिक अंत तक अकेले रहे। सत्यपाल मलिक ने जो बोला जो लिखा जैसा जीवन जिया वो अब सत्ता के खिलाफ एक ऐतिहासिक दस्तावेज बन गया है।

### बेदाग रहा कैरियर

सत्यपाल मलिक समाजवादी विचारधारा रखने वाले व्यक्ति थे। वे चौधरी चरण सिंह के करीबी थे। उनके समाजवादी और किसान-केंद्रित विचारों से प्रभावित थे। वे आजीवन जाट समुदाय के मुद्दों को महत्व देते रहे। इस तरह, छात्र राजनीति से लेकर गवर्नर बनने तक उन्होंने राजनीति में अपनी खास जगह बनाई।

# यूपी में बाढ़, वीआईपी सेवा में सरकार : अखिलेश

## सपा अध्यक्ष ने बीजेपी सरकार को बताया फेल, कहा- बाढ़ से कराह रही है यूपी की जनता
## अधिकारी सिर्फ वीआईपी सर्विस देने में व्यस्त, आम जनता का कोई पुरसाहाल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार एक भ्रष्ट और नाकाम सरकार साबित हुई है। प्रदेश का बड़ा हिस्सा बाढ़ के कारण संकट के दौर से गुजर रहा है लेकिन भाजपा सरकार लोगों के बचाव और जरूरी चीजों की व्यवस्था करने में फेल हो गयी है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जब बड़े-बड़े लोगों की 'सुपर वीवीआईपी' रैली या सभा का आयोजन कर सकती है तो बाढ़ में राहत-बचाव का काम क्यों नही कर रही है?**

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रयागराज सहित प्रदेश के लगभग दो दर्जन जिलों में बाढ़ की वजह से भयावह स्थिति है। प्रयागराज, वाराणसी में गली मोहल्लों में नाव चलाने की नौबत है। भोजन और पीने के पानी की किल्लत चरम पर है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है। बीमार, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को दवा-इलाज नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य-चिकित्सा सेवाएं ठप्प हैं। स्कूलों के मर्जर के कारण पहले से ही पढ़ाई के लिए बच्चे मारे-मारे फिर रहे हैं। बाढ़ ने स्थिति और खराब कर दी। बच्चों की पढ़ाई ठप्प है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बिजली की समस्या है। करंट लगने का डर है। ऊपरी मंजिलों पर रहने पर मजबूर लोगों के बीच घर के धँसने का भी भय है। घरों के सामान डूब गये हैं। लोगों के पास पहनने को कपड़े नहीं है। मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों के बीच संवाद नहीं हो पा रहा है। सरकारी राहत दिखावा साबित हो रही है। मंत्रीगण सिर्फ खानापूर्ति करने में लगे हैं। मुख्यमंत्री जी द्वारा गठित टीम-11 की भूमिका शून्य है। भाजपा सरकार का जोर प्रचार पर है।

### स्मार्ट सिटी के नाम पर भ्रष्टाचार

सपा अध्यक्ष ने कहा है कि अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में स्मार्टसिटी के नाम पर बजट का भारी अपव्यय किया है। प्रयागराज और वाराणसी स्मार्टसिटी के नाम पर बीस-बीस हजार करोड़ रूपये से ज्यादा का अपव्यय हुआ। लेकिन इनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। जगह-जगह गड्ढों का साम्राज्य और जलभराव है। अखिलेश यादव ने कहा कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में बाढ़जन्य बीमारियों की आशंका हैं। बाढ़ सिर्फ कीचड़, कचरा, मलबा और दुर्गंध ही नहीं बीमारी-महामारी को भी छोड़कर जाती है। जो लोग दैनिक कमाई पर जीवनयापन करते हैं वो काम पर नहीं जा पा रहे हैं। गरीब-मजदूर भुखमरी की कगार पर आ गये हैं। किसानों की खेती-जमीन पर पानी फिर गया है।

### व्यापारियों का हो गया अरबों का नुकसान

सपा अध्यक्ष ने कहा कि दुकानों को अरबों रूपयों का नुकसान हो गया है। लोगों के पहचान पत्र, राशन कार्ड, जमीन-जायदाद के कारण, बैंक की पास बुक, शैक्षिक प्रमाणपत्र, बीमारी के पर्चे व अन्य जरूरी कागजात ज्यादातर भीगकर बर्बाद हो गये हैं या फिर बह गये हैं। गाड़ी-वाहन डूब गये हैं। 'नदी के किनारे, नाव के सहारे' जीवन जीने वाले समाज के बीच जीविकोपार्जन का गहरा संकट आ गया है लेकिन उनकी दिक्कत सुनने-समझने वाला भाजपा सरकार या उनके सहयोगी दलों में कोई भी नहीं है।

## सैकड़ों बसपाइयों ने ज्वाइन की समाजवादी पार्टी

### प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के समक्ष बसपा छोड़कर सपा में शामिल हुए लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों पर आस्था जताते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के समक्ष बसपा छोड़कर तमाम लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए है। सभी ने 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बूथ स्तर तक काम करने का संकल्प लिया।**

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शामिल होने वाले सभी नये साथियों से उम्मीद जताई है कि वे 2027 में समाजवादी पार्टी की बहुमत की सरकार बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बसपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने वालों में फैजान अहमद सभासद, मोहम्मद हमजा पूर्व प्रधान, फिरोज अहमद, फरहान अहमद, शोएब अहमद, एडवोकेट मोहम्मद अहमद, जावेद अहमद, मेराज अहमद, डॉ. मोहम्मद अली, नौशाद मलिक, अब्दुल हमीद, शामिल है।

इस अवसर पर सैयदा खातून डुमरियागंज सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में सीएल वर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष, जयसिंह जयंत, शब्बीर खां, बचान सिंह, अकरम बबलू, साहू राजेश गुप्ता, मनोज कुमार पाल, संदीप यादव, रामप्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

# भारत को अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकना चाहिए : मनीष तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि की घोषणा का खंडन किया। उन्होंने इस कदम को रूस के साथ भारत के ऊर्जा और रक्षा संबंधों को लेकर दबाव बनाने का एक गुमराह प्रयास बताया। मनीष तिवारी ने कहा कि टैरिफ वृद्धि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को कम नहीं करेगी।**

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आपके देश ने 1971 में दक्षिण एशिया के राजनीतिक मानचित्र को बदलने से रोकने के लिए बंगाल की खाड़ी में सातवां बेड़ा भेजा था। हमने उसका सामना किया। एक राष्ट्र के रूप में हममें आपके टैरिफ के खतरे का सामना करने के लिए पर्याप्त लचीलापन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक नई धमकी दी कि वे भारत पर टैरिफ में काफी वृद्धि करेंगे, क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया कि भारत बड़े मुनाफे के लिए खुले बाजार में रूसी तेल बेच रहा है।

उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए तेल का एक बड़ा हिस्सा खुले बाजार में बड़े मुनाफे के लिए बेच रहा है।

उन्होंने कहा, उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि रूसी युद्ध मशीन द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस वजह से मैं भारत द्वारा अमेरिका को दिए जाने वाले टैरिफ में काफी वृद्धि करूंगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह नहीं बताया कि शुक्रवार को घोषित 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा अतिरिक्त टैरिफ कितना होगा।

# पान मसाला में करोड़ों की टैक्स चोरी, दो नामचीन कंपनी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शासन के निर्देश पर दो बड़े ब्रांड के पान मसाला इकाइयों की जांच में करोड़ों की टैक्स चोरी और बिना ई-वे बिल के सप्लाई का खुलासा हुआ है। ये कार्रवाई नोएडा में विमल पान मसाला पर की गई।**

वहीं कानपुर और बाराबंकी में शिखर पान मसाला के बिना ई वे बिल के चार ट्रक सीज किए गए। विमल पान मसाला ने 2.5 करोड़ रुपये जमा किए हैं। वहीं शिखर मामले में जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव राज्यकर एम. देवराज को दो ब्रांड्स में टैक्स चोरी की गोपनीय सूचना मिली थी। नोएडा में विमल पान मसाला की इकाइयों में जांच के लिए उन्होंने बाहरी जिले की टीमों को भेज कर जांच कराई। स्टाक और बिक्री में अंतर पर जेवी इंडस्ट्रीज ने 2.5 करोड़ रुपये जमा कराए। साथ ही शासन स्तर से मामले की जांच के निर्देश दिए। इसी तरह वी वन ब्रांड की जांच में 50 लाख रुपये जमा कराए गए।

# जीएसटी कलेक्शन में पश्चिम बंगाल ने मारी बाजी

### सीएम ममता बनर्जी बोलीं राज्य ने हासिल की 12 फीसदी ग्रोथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी एक बड़ी जानकारी साझा की है। सीएम ममता ने बताया है कि जुलाई 2025 में राज्य ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रहण में 12 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है, जो राज्य की आर्थिक मजबूती और उपभोक्ता गतिविधियों में सुधार का स्पष्ट संकेत है।**

मुख्यमंत्री ने बताया कि जुलाई 2025 में राज्य का कुल जीएसटी संग्रहण 5,895 करोड़ रहा, जबकि पिछले वर्ष जुलाई में यह आंकड़ा 5,257 करोड़ था। यह वृद्धि केंद्र सरकार की ओर से जारी किए गए प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर सामने आई है।

### बेहतर है ग्रोथ

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जुलाई तक कुल मिलाकर राज्य की जीएसटी राजस्व वृद्धि दर 7.71 फीसदी रही है, जो राष्ट्रीय औसत से तुलनात्मक रूप से बेहतर मानी जा रही है। यह आंकड़ा राज्य सरकार और व्यापारिक जगत के बीच बेहतर सहयोग, नीति-निर्माण और आर्थिक प्रबंधन का परिणाम बताया जा रहा है।

सीएम ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पश्चिम बंगाल ने जुलाई 2025 के लिए सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में साल-दर-साल 12 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष इसी महीने के 5,257 करोड़ रुपये की तुलना में 5,895 करोड़ रुपये अधिक है। यह जानकारी भारत सरकार द्वारा हाल ही में जारी अनंतिम आंकड़ों से मिली है।

बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

# भाजपा के साथ मेरा किसी तरह का गठबंधन नहीं : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। काफी समय से जिस तरह की बयानबाजी बसपा प्रमुख मायावती कर रही है विपक्ष को लगता है कि बहुजन समाज पार्टी और भाजपा में कोई सीक्रेट डील है। विपक्ष के सुर में सुर मिलाने से मायावती दूर रहती है। ऑपरेशन सिंदूर पर मायावती का जो पक्ष रहा उसके बाद ये अटकलें तेज हो गयी कि शायद बसपा-भाजपा के बीच गठबंधन है! अब इस तरह की सारी अटकलों को खारिज कर दिया।**

बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ किसी भी गठबंधन या समझौते से इनकार करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को ऐसी खबरों से सतर्क रहने की हिदायत दी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर कहा, ''जैसा कि सर्वविदित है कि बसपा न तो भाजपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ है, ना ही कांग्रेस के 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन या अन्य किसी मोर्चे के साथ है, बल्कि इन दोनों व अन्य और किसी भी जातिवादी गठबंधनों से अलग अपनी सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के आंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है।

# लोकसभा में अमित शाह और जयशंकर की बौखलाहट, हार की आहट!

## मोदी की कुर्सी हिली, राहुल गांधी के आगे भागी बीजेपी

### » ओवैसी के सवालों से कांपी सरकार, क्या गिरने वाली है मोदी सरकार?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दोस्तों क्या मोदी सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए राहुल गांधी को टारगेट करके अपनी गलती छुपा सकती है। अपने फेलियर को छुपाने के लिए मोदी के विदेश मंत्री संसद में गलत आंकड़ा परोस कर मोदी के कारनामें छुपाने का काम कर रहे है। सेना के नाम पर वोट मांगने वाली पार्टी दो हजार बाइस में चाइना बॉर्डर पर बीस जवानों को शहादत पर आज तक एक भी शब्द नहीं बोला है। नहीं लेकिन सेना के नाम पर, मौत के नाम पर मोदी को वोट मांगना है। बता दें कि बीजेपी सरकार देश की जनता को भ्रमित करने का कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है।

वहीं मोदी के दावे पर जब विपक्ष सवाल करता है। ट्रंप के कहने पर ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया जाता है। यानी कि सीजफायर कर दिया जाता है। फिर उस मामले पर मोदी चुप क्यों हैं। वहीं अगर सीजफायर में ट्रंप का कोई हस्तक्षेप नहीं था, तो देश की जनता को बताओ और ट्रंप की बोलती बंद कर दो। क्योंकि ट्रंप रोज बोल रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच में ट्रेड का दबाव बनाकर सीजफायर करवाया है। आपको बता दें कि संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार पर तीखे सवाल दागे। जिससे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर बौखलाए नजर आए विपक्ष के तीखे तेवरों ने क्या वाकई मोदी सरकार को हिलाकर रख दिया। क्या सरकार की नींव कमजोर हो रही है।

## शाह की यह टिप्पणी विपक्ष को और भड़काने वाली

वहीं शाह की यह टिप्पणी विपक्ष को और भड़काने वाली साबित हुई। कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने जवाब में कहा कि सरकार जवाब देने की बजाय मुद्दों को भटका रही है। जनता को सच चाहिए, न कि खोखले भाषण। सत्र के दौरान शाह और जयशंकर की बौखलाहट साफ नजर आई। जब विपक्ष ने बार-बार ऑपरेशन सिंदूर की विफलता, और पहलगाम हमले में सरकार की नाकामी पर सवाल उठाए और सत्ता पक्ष के लोक एक भी सही जवाब नहीं दे पाए और मुद्दों से भटकाते रहे।

## राहुल गांधी ने सत्ता पक्ष को घेरा

राहुल गांधी ने न केवल ऑपरेशन सिंदूर बल्कि संविधान पर भी सत्ता पक्ष को घेरा और उन्होंने हाल ही में संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान का हवाला देते हुए कहा कि भागवत कहते है कि 1947 में मिली आजादी झूठी थी। यह संविधान पर सीधा हमला है, बीजेपी ने पहले भी कहा था कि अगर उन्हें 400 सीटें मिलीं, तो संविधान बदल देंगे। राहुल ने जोर देकर कहा कि संविधान देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों की रक्षा करता है और इसे खत्म करने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं राहुल के इस बयान ने सत्ता पक्ष को असहज कर दिया बीजेपी सांसदों ने इसका जवाब देने की कोशिश की। लेकिन विपक्ष का हंगामा बढ़ता गया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी को इतिहास का ज्ञान नहीं उनकी दादी इंदिरा गांधी ने संविधान की धज्जियां उड़ाई थीं लेकिन यह जवाब विपक्ष को शांत करने में नाकाम रहा।

## ओवैसी ने भी सरकार पर निशाना साधा

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ संपत्तियों को छीनना चाहती है, यह संविधान के खिलाफ है, ओवैसी ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार की नीतियां देश की संप्रभुता को कमजोर कर रही हैं। उनके सवालों ने सत्ता पक्ष को और दबाव में ला दिया। विपक्ष के तीखे सवालों और सत्ता पक्ष की बौखलाहट ने एक सवाल को जन्म दिया है। क्या मोदी सरकार वाकई कमजोर हो रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। और उसे सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनानी पड़ी। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दो सौ चालीस सीटों पर बीजेपी को रोककर अपनी ताकत दिखाई। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, बीजेपी ने हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत की। लेकिन बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं नीतीश कुमार की जदयू और बीजेपी के बीच तालमेल बना हुआ है। लेकिन विपक्षी गठबंधन में तेजस्वी यादव और असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेताओं की सक्रियता ने समीकरण को और गंभीर बना दिया है।

## ऑपरेशन सिंदूर को लेकर तीखी चर्चा

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा से शुरू हुई। ऑपरेशन सिंदूर, जिसे सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा कदम बताया। उस पर विपक्ष ने कई सवाल उठाए। राहुल गांधी ने सरकार से पूछा कि ऑपरेशन सिंदूर को क्यों रोका गया और पहलगाम के आतंकियों को अभी तक क्यों नहीं पकड़ा गया उनके सवालों ने सत्ता पक्ष को बैकफुट पर ला दिया। राहुल ने कहा सरकार को जवाब देना होगा कि ऑपरेशन सिंदूर में क्या हुआ। आतंकियों को क्यों नहीं पकड़ा गया? इस बीच असदुद्दीन ओवैसी ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया और उन्होंने कहा कि भारत एक संप्रभु देश है। लेकिन सरकार की नीतियां हमें कमजोर दिखा रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पारदर्शिता की कमी क्यों है। ओवैसी के सवालों ने सत्ता पक्ष को और असहज कर दिया। आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई फोन कॉल नहीं हुई थी। लेकिन उनके जवाब के दौरान विपक्ष का शोरगुल बढ़ गया। जिसमें गृह मंत्री अमित शाह नाराज हो गए। शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग देश की सुरक्षा पर सवाल उठा रहे हैं उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

## सत्ता पक्ष विपक्ष के हमलों का जवाब देने में सहमा

सत्ता पक्ष ने विपक्ष के हमलों का जवाब देने की कोशिश की। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, हम जल्द तीसरे स्थान पर होंगे और उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग देश की प्रगति को नहीं देख पा रहे, वे सिर्फ आलोचना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोकसभा में अपने भाषण में विपक्ष पर निशाना साधा और उन्होंने कहा कि हम देश की एकता को सर्वोपरि रखते हैं, विपक्ष सिर्फ जहर की राजनीति करता है, लेकिन विपक्ष ने इसे मुद्दों से भटकाने की कोशिश करार दिया।

## विपक्षी गठबंधन इंडिया ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने मिलकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। प्रियंका गांधी हाल ही में वायनाड से सांसद बनीं। उन्होंने भी संसद में सक्रियता दिखाई। उनकी कुंडली के अनुसार, 2025 में उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी। लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। आपको बता दें कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के महू में जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान शुरू किया। जिसमें राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने अरबपतियों का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ किया। लेकिन किसानों और मजदूरों का कर्ज माफ नहीं किया। इस अभियान ने विपक्ष की एकजुटता को और मजबूत किया। लोकसभा का सत्र सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी जंग का गवाह बना। राहुल गांधी और असदुद्दीन ओवैसी के सवालों ने सरकार को कटघरे में खड़ा किया तो अमित शाह और एस जयशंकर की बौखलाहट ने सियासी माहौल को और गरमा दिया क्या यह हंगामा सरकार की नींव हिलाने के लिए काफी है। लेकिन विपक्ष की एकजुटता और जनता के बीच बढ़ती नाराजगी भविष्य में चुनौतियां पेश कर सकती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# और कितने हादसों के बाद जागेंगी सरकारें

> सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज्यादा की है।

*अभी बीते दिनों राजस्थान के झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल के गिर जाने से कई बच्चों की मौत हो गई। दो-चार दिन यह माममला सुर्खियों में रहा उसके बाद सब सन्नाटे में चला गया। इस तरह के हादसे दुबारा न हो इसकी व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी सरकारों की है। सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज़्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है। प्राथमिक कक्षाओं से 1.9 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक से 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी लेवल से 14.1 प्रतिशत बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ रहे हैं। ये सर्वे, पहले के मुकाबले स्कूलों की बेहतरी दिखा रहे थे। मगर हाल में नजर आ रही गिरावट ने ये सारी बात उलट दी। भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति काफी खराब है। शोध अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों की अनुपस्थिति दर बहुत अधिक है और उसकी तुलना में आधे से भी कम शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे थे। भारत ने इसके बाद इस कार्यक्रम में भाग लेना बंद कर दिया। हालांकि 2021 में प्रतियोगिताओं में भारत ने फिर से भाग लेने का निर्णय लिया, लेकिन उसी बीच कोरोना की लहर आ गई और आगे कुछ नहीं हुआ। भारत के कुछ प्रतिष्ठित निजी स्कूलों में लंबे समय से गुणवत्ता स्थापित है। अधिकांश राज्य सरकार के स्कूलों के साथ ऐसा नहीं है। ये इतनी खराब गुणवत्ता के हैं कि कई गरीब परिवार अपने बच्चों को मुफ्त सरकारी स्कूलों से निकालकर महंगे निजी स्कूलों में डाल देते हैं, भले ही इनकी अक्सर संदिग्ध साख हो। केंद्रीय विद्यालय अच्छी शिक्षा प्रदान करते हैं, क्योंकि माता-पिता प्रभावशाली सिविल सेवक होते हैं जो शिक्षकों की माता-पिता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। माता पिता के साथ शिक्षा विभागों को भी सचेत होना होगा।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# दक्षिण एशिया में संतुलन बिगाड़ते ट्रंप

ज्योति मल्होत्रा

इस मानसून की एक सुबह को, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के साथ तेल समझौता किए जाने की घोषणा किए जाने के बाद, इसका अहसास 1999 में कारगिल में पाकिस्तान पर भारत की जीत के बाद की सुबहों जैसा रहाङ्क शांति बनने का किंतु लगभग अवास्तविक। सिवाय इसके कि इस बार मामला उलट है। तब जुलाई 1999 में, अटल बिहारी वाजपेयी ने बिल क्लिंटन से दृढ़ता से कह दिया था कि वे नवाज़ शरीफ़ तक बात पहुंचा दें - जिनसे क्लिंटन की मुलाकात वाशिंगटन डीसी में कारगिल युद्ध को खत्म के प्रयास में होने जा रही थी - कि भारत समझौता तभी करेगा जब आखिरी पाकिस्तानी सैनिक उस नियंत्रण रेखा पार कर वापसी करेगा, जिससे होकर उसने कश्मीर में घुसपैठ की थी। नवाज़ शरीफ़ के पास राजी होने के अलावा कोई चारा नहीं था। और कारगिल संघर्ष समाप्त हो गया। और एक साल बाद, जब क्लिंटन भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए, जयपुर में उनपर बरसाई गई गुलाब की पंखुड़ियों से सराबोर हो गए, लौटते वक्त वे पांच घंटे पाकिस्तान में रुके।

बीते सप्ताह, भारत ने अमेरिका की नीतियों में बदलाव से पाकिस्तान की तरफ बनते झुकाव की समीक्षा की। बदलाव जो इतना नाटकीय है कि अगर पहले से इसका अनुमान न होता तो भारतीय प्रतिष्ठानों में, वाशिंगटन डीसी से लेकर नई दिल्ली तक, किसी की नौकरी जाने की नौबत बन जाती ङ्क इसके तहत, पाकिस्तान अक्तूबर में अमेरिका के साथ फिर से मजबूत हुई दोस्ती को दस लाख बैरल तेल आयात करके रेखांकित करेगा।

1989 के बाद से पहली बार - जब आखिरी सोवियत सैनिक ने अफगानिस्तान से वतन वापसी की थी और उसके तुरंत बाद, काबुल से नास्तिक कम्युनिस्टों को खदेड़ने की जीत से उत्साहित हुए अमेरिकियों ने पाकिस्तानी सेना को हथियार और डॉलरों की बहती धारा रोक दी थी - अमेरिकी अब फिर से पाकिस्तान पर मेहरबान हो रहे हैं। यह अंतहीन बड़े खेल में पासा एक बार फिर पलटने जैसा है, लेकिन इस बार भारत को नुकसान होना तय है।

सनद रहे कि पाकिस्तान चीन का सहयोगी है। यह भी याद रखें कि ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत चीन पर बेतहाशा टैरिफ लगाकर की थी क्योंकि उन्हें अहसास है कि चीन ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के पैरों तले से जमीन सरका दी है व चीन की बजाय अमेरिका में वापस उत्पादन करना 'अमेरिका को पुनः महान बनाने' के सकंल्प के लिए अहम है।

लेकिन ट्रंप ने बीते हफ्ते पाकिस्तान के साथ समझौता करके और भारत पर 'मृत अर्थव्यवस्था' का तंज कसकर दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन का बिंदु बदल दिया है। शायद वाशिंगटन डीसी की गर्मी या तो मार-ए-लागो में उनके द्वारा खाए किसी व्यंजन का असर है कि वे भूल गए कि महज पांच साल पहले, ह्यूस्टन में मोदी ने 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' का नारा लगाया था, जिससे ट्रंप को अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों की बहुमूल्य वोटें मिली होंगी।

ट्रंप के सत्ता के खेल से अंतराष्ट्रीय बिसात का स्वरूप निश्चित तौर पर बिगड़ जाएगा। यह कहना जल्दबाज़ी होगा कि पिछली सदी के शीत युद्ध के पुराने दोस्त 21वीं सदी के इसके नए प्रारूप के इर्द-गिर्द फिर एकजुट होने लगे हैं। परस्पर वार्ताएं जारी हैं, खासकर क्वाड बैठकों में ङ्क जिसका शिखर सम्मेलन नवंबर में दिल्ली में होगा यानि ट्रंप का आना तय है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा मोदी को रूस के पक्ष में धकेलने ('भारत व रूस की मृत अर्थव्यवस्थाएं') के बाद, उनके पास व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रगाढ़ता बनाने के सिवा शायद ही कोई विकल्प हो।

दोस्ती और विदेश नीति बराबर की हैसियत वालों के बीच निभती है। यही कारण है कि भारत और अमेरिका के बीच असामान्य गलबहियां, केवल दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्रों के बीच ही नहीं थी, या इसलिए भी नहीं कि भारतीय मूल के अमेरिकी तरक्की करते हुए अमेरिका के सबसे प्रभावशाली समूहों में एक बन गए बल्कि यह मित्रता इसलिए भी थी। दोनों परस्पर समकक्षों जैसा व्यवहार करने से डरते नहीं थे।

भले ही आइजनहावर में इसकी समझ नहीं रही लेकिन रुजवेल्ट को भारत की विशिष्टता का भान था। कैनेडी इसे बखूबी समझते थे - उनके मित्र और भारत में तत्कालीन राजदूत, जॉन केनेथ गैलब्रेथ की एक तसवीर चंडीगढ़ के गवर्नमेंट म्यूजियम की ऊपरी मंज़िल पर स्थित छोटे से पुस्तकालय में, उस स्तंभ के दूसरी ओर टंगी है, जिस पर एमएस रंधावा की तसवीर टंगी है।

# वैज्ञानिक ढंग से हो श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन

सुरेश सेठ

**बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे। ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी।**

पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्रोत और रोजगारपरक क्षेत्र है। देश को तीन प्रकार के पर्यटन से आय प्राप्त होती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन से देश को विदेशी मुद्रा मिलती है और अनेक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रायद्वीपीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश में तीन प्रमुख प्रकार के पर्यटन प्रचलित हैं। पहला, रमणीय पर्यटन, जिसमें पर्यटक दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने आते हैं। दूसरा, चिकित्सीय (मेडिकल) पर्यटन, जिसमें विदेशी रोगी भारत में बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण आते हैं। तीसरा, धार्मिक पर्यटन है। धार्मिक आस्था से ओतप्रोत इस देश में श्रद्धालुओं की धर्मस्थानों पर निरंतर भीड़ रहती है। विशेषकर सावन जैसे पवित्र महीनों में धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे यह पर्यटन और भी सक्रिय हो जाता है।

धार्मिक श्रद्धालुओं का जमावड़ा कभी कम नहीं होता। कई बार भगदड़ जैसी घटनाओं में हृदयविदारक समाचार मिलते हैं, फिर भी पहले से भी अधिक भीड़ जुट जाती है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर पाती। लोग आस्था के समर्पण में इतने लीन रहते हैं कि यह देख कर आश्चर्य होता है कि देश धर्मस्थलों के प्रति कितना समर्पित है। सनातन धर्म में यह विश्वास है कि मंदिरों में साक्षात परमात्मा साकार रूप में विराजमान होते हैं। यही विश्वास करोड़ों श्रद्धालुओं को धर्मस्थलों की ओर आकर्षित करता है। लेकिन आस्था को समर्पित इस देश में, विशेषकर सावन के पावन महीने में, हाल ही में लगातार जो दुर्घटनाएं हुईं, उनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए। जब इन घटनाओं के कारणों की पड़ताल की जाती है, तो या तो बेबुनियाद अफवाहें सामने आती हैं, या फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर होती है। कभी-कभी श्रद्धालुओं की जल्दबाज़ी और पहले दर्शन की होड़ में की गई धक्का-मुक्की भी भगदड़ का कारण बन जाती है। ऐसी भगदड़ों में लोगों के कष्टों का कोई अंत नहीं होता — जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं, परिवार उजड़ते हैं।

बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे।

ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी। जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 29 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद मंदिर की बिजली काटनी पड़ी, जिससे गर्भगृह में अंधेरा छा गया। इसके बावजूद श्रद्धालु अंधेरे में ही दर्शन और जलाभिषेक करते रहे। इसी दौरान, एक मंत्री के मंदिर में पुष्पवर्षा करने की खबर फैल गई, और देखते ही देखते वहां तीन लाख से अधिक लोग जुट गए। अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, और एक बार फिर हादसा सामने आया। इस तरह की घटनाओं का एक सिलसिला बनता जा रहा है। भारी भीड़ में आगे बढ़ने की होड़ के बीच जब कोई अफवाह फैला दी जाती है तो लोग घबरा जाते हैं और इधर-उधर भागने लगते हैं। यह कहना भी गलत होगा कि भगदड़ केवल अफवाहों के कारण होती है। प्रशासन की लापरवाही भी इन घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। जब किसी मेले या धार्मिक आयोजन में भारी भीड़ जुटनी तय हो, तो प्रशासन को पहले से इसका उचित अनुमान होना चाहिए। श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए जाने चाहिए। इसके अतिरिक्त, मंदिर परिसरों में ऐसे सतर्क सुरक्षाकर्मी या स्वयंसेवक नियुक्त किए जाने चाहिए जो भीड़ को व्यवस्थित रूप से नियंत्रित कर सकें और श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से दर्शन के लिए आगे बढ़ने दें। ऐसा प्रतीत होता है कि भीड़ की प्रकृति और व्यवहार का समुचित मूल्यांकन न होने के कारण, या प्रशासन की लचर निगरानी से ये घटनाएं बार-बार घटती हैं।

आने वाले समय में आस्था-पर्यटन के लिए भीड़ और भी बढ़ेगी। ऐसे में, इन तीर्थस्थलों और मेलों का प्रबंधन करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। उन्हें न केवल संभावित भीड़ का सही आंकलन करना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उसे किस प्रकार नियंत्रित किया जाए।

अक्सर धर्मस्थलों पर प्रवेश और निकास का रास्ता एक ही होता है, जिससे भीड़ की आवाजाही में बाधा आती है और भगदड़ की आशंका बढ़ जाती है। अक्सर जिम्मेदार अधिकारी समय पर सक्रिय नहीं होते। घटनाओं के बाद वे केवल मृतकों को श्रद्धांजलि देने और मुआवज़े की घोषणा करने के लिए आगे आते हैं। यह रवैया अब बदलना चाहिए।

## आंवला

आंवला विटामिन-सी के प्रमुख स्रोतों में से एक है, जिसमें अन्य फलों की तुलना में कई गुना अधिक विटामिन-सी होता है। एक कप कच्चे आंवले में लगभग 42 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। अधिकांश वयस्कों के लिए प्रतिदिन 75 से 90 मिलीग्राम विटामिन सी की जरूरत होती है, आंवला खाने से इसकी पूर्ति की जा सकती है। आंवला में जिंक और विटामिन ई भी होता है, जो शरीर की प्राकृतिक क्षमता को बढ़ाता है। वहीं आंवला लीवर के लिए बेहद फायदेमंद है। यह फैटी लीवर और हेपेटाइटिस जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक है। आंवला हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है और दिल की धमनियों को साफ रखने में मदद करता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है।

## ब्रोकली

ब्रोकली हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी सब्जी है, इसके नियमित सेवन की आदत बनाएं। विटामिन-सी के साथ-साथ ये फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। ब्रोकली में कैंसर रोधी गुण भी होते हैं। इसे हल्का उबालकर या सलाद के रूप में खा सकते हैं।

# संक्रामक बीमारियां

## इनसे बचने के लिए करें ये उपाय

हाल के वर्षों में कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों का खतरा काफी तेजी से बढ़ा है, इन सभी के लिए कमजोर इम्युनिटी को प्रमुख कारण माना जाता है। इसका मतलब है कि अगर आप अपनी इम्युनिटी को मजबूत कर लेते हैं तो संक्रामक बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है। जब बात इम्युनिटी बढ़ाने की होती है तो विटामिन-सी वाली चीजों की सबसे ज्यादा चर्चा की जाती है। विटामिन सी एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह पानी में घुलनशील विटामिन है, इसे नियमित रूप से आहार से प्राप्त करना जरूरी है।
विटामिन-सी वायरस, बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों से लड़ने में शरीर की मदद करता है। अपने आहार में विटामिन सी वाली चीजों को जरूर शामिल करें।
विटामिन-सी न सिर्फ इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, बल्कि ये त्वचा को स्वस्थ बनाए रखता है और घावों को जल्दी भरने में मदद करता है। विटामिन-सी हमारे शरीर में एंटीऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है जिससे शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद मिलती है।

## पपीता

कई फल भी विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। पपीता और अनानास ऐसे ही लाभकारी फल हैं। पपीता विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, जो पाचन को सुधारने और त्वचा को निखारने में मदद करता है। इसी तरह से आप अनानास खाकर भी विटामिन सी पा सकते हैं। अनानास का सेवन पाचन को सुधारता है, शरीर में सूजन कम करता है और त्वचा को हाइड्रेट रखता है। विटामिन सी केवल एक पोषक तत्व नहीं, बल्कि संक्रामक बीमारियों से लड़ने वाला एक प्राकृतिक कवच है। इसकी पर्याप्त मात्रा न केवल इम्युनिटी को बूस्ट करती है, बल्कि त्वचा, आंखों, और दिल के लिए भी फायदेमंद है। प्राकृतिक स्रोतों से इसे प्राप्त करना सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।

## संतरा और नींबू

विटामिन सी के लिए संतरा और नींबू का सेवन करना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और स्किन की रंगत सुधारने में मदद करता है। 100 ग्राम संतरे में 53 ग्राम विटामिन-सी पाया जाता है। नींबू भी विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से शरीर में इस विटामिन की पूर्ति की जा सकती है।

## हंसना मना है

पप्पू- आओ मिलकर हम दोनों दर्द बांटते हैं... गप्पू - लेकिन कैसे... पप्पू - तुम दरवाजे में अपनी उंगली दो, मैं दबाता हूं, फिर हम दोनों मिलकर चिल्लाएंगे...

लड़की वाले लड़का देखने गए... लड़की वाले - कितना कमा लेते हो.. लड़का - इस महीने दो करोड़ कमाया...लेकिन, लड़की वाले - लेकिन क्या हुआ... लड़का - बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई...

पप्पू मंदिर गया... एक बाबा ने कहा- 10 रुपये दे बच्चा... पप्पू ने 10 रुपये निकाल कर दे दिए... बाबा ने कहा - मैं खुश हुआ, मांग क्या मांगता है.. पप्पू बोला-मुझे 100 रुपये दे दो...

बढ़ती महंगाई के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे नेता को मुस्कुराता देख रिपोर्टर बोला-नेता जी, आप तो टेंशन फ्री हैं, लोग अनाप शनाप बोल रहे हैं... आपसे बेतुके सवाल कर रहे हैं और आप सबको मुस्कुरा के उत्तर दे रहे हैं... क्या राज है इसका, नेता जी बोले-ऐ, बबुआ, जानना चाहते हो...इधर आओ, नेता जी कान में फुसफुसाकर बोले-नेता बनने से पहले मैं लेडीज सूट की दुकान पर रहता था... वहां, दो चीजें महिलाओं ने सिखाई... देर तक भूखा रहना और मुस्कुराना...

## कहानी: मंदबुद्धि

विद्यालय में एक लड़का पढ़ने जाता है जिससे सब मंदबुद्धि कहते थे। उसके गुरुजन भी उससे नाराज रहते थे क्योंकि वह पढ़ने में बहुत कमजोर था और उसकी बुद्धि का स्तर औसत से भी कम था। कक्षा में उसका प्रदर्शन हमेशा ही खराब रहता था और बच्चे उसका मजाक उड़ाने से कभी नहीं चूकते थे। पढ़ने जाना तो मानो एक सजा के समान हो गया था, वह जैसे ही कक्षा में घुसता और बच्चे उस पर हंसने लगते, कोई उसे महामूर्ख तो कोई उसे बैलों का राजा कहता, यहां तक की कुछ अध्यापक भी उसका मजाक उड़ाने से बाज नहीं आते। इन सबसे परेशान होकर उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया। अब वह दिन भर इधर-उधर भटकता और अपना समय बर्बाद करता। एक दिन इसी तरह कहीं से जा रहा था, घूमते-घूमते उसे प्यास लग गयी। वह इधर-उधर पानी खोजने लगा। अंत में उसे एक कुआं दिखाई दिया। वह वहां गया और कुएं से पानी खींच कर अपनी प्यास बुझाई। अब वह काफी थक चुका था, इसलिए पानी पीने के बाद वहीं बैठ गया। तभी उसकी नज़र पत्थर पर पड़े उस निशान पर गई जिस पर बार-बार कुएं से पानी खींचने की वजह से रस्सी का निशां बन गया था। वह मन ही मन सोचने लगा कि जब बार-बार पानी खींचने से इतने कठोर पत्थर पर भी रस्सी का निशान पड़ सकता है तो लगातार मेहनत करने से मुझे भी विद्या आ सकती है। उसने यह बात मन में बैठा ली और फिर से विद्यालय जाना शुरू कर दिया। कुछ दिन तक लोग उसी तरह उसका मजाक उड़ाते रहे पर धीरे-धीरे उसकी लगन देखकर अध्यापकों ने भी उसे सहयोग करना शुरू कर दिया। उसने मन लगाकर अथक परिश्रम किया। कुछ सालों बाद यही विद्यार्थी प्रकांड विद्वान वरदराज के रूप में विख्यात हुआ, जिसने संस्कृत में मुग्धबोध और लघुसिद्धांत कौमुदी जैसे ग्रंथों की रचना की।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष:** आज पिता को पुराना रोग पुनः परेशान सकता है। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। कारोबार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

**वृषभ:** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

**मिथुन:** सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

**कर्क:** धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

**सिंह:** कुसगंति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। लेन-देन में सावधानी रखें।

**कन्या:** शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

**तुला:** शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ रहेगा।

**वृश्चिक:** किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

**धनु:** आज किसी बात को लेकर भय बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

**मकर:** प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

**कुम्भ:** चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। निवेश शुभ रहेगा।

**मीन:** व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

बॉलीवुड | अपकमिंग

# आठ अगस्त को रिलीज होगा जटाधरा का टीजर

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधरा का पोस्टर रिलीज किया जा चुका है। इस पोस्टर में सुधीर बाबू को एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में और सोनाक्षी सिन्हा एक अनोखे अवतार में पेश किया गया है। आज फिल्म जटाधरा के संगीत निर्माताओं ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें सूधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा का अनोखा अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म, जटाधार की पौराणिक कथाओं और दृश्यों से भरपूर इस अद्भुत नजारे के गवाह बनिए। सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा और भगवान शिव की एक झलक पर्दे पर चार चांद लगा देगी। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा को नई परिभाषा दी है। टीजर 8 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। इस पोस्टर से पहले फिल्म जटाधरा से सोनाक्षी का लुक महिला दिवस के दिन सामने आया था। इस लुक को सोनाक्षी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था और कैप्शन में लिखा, इस महिला दिवस पर जटाधरा में शक्ति और सामर्थ्य का एक प्रकाश स्तंभ उभर रहा है। फिल्म जटाधरा एक पौराणिक थ्रिलर है, जिसमें भारतीय पौराणिक कथाओं को रोमांचक दृश्यों और डार्क फैंटेसी के साथ जोड़ा गया है। पोस्टर में त्रिशूल, गरजते बादल, भगवान शिव की छाया, और सोनाक्षी सिन्हा का रोद्र रूप दिखाई दे रहा है, जो कहानी को और रहस्यमयी बनाता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित, वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी यह फिल्म शानदार वीएफएक्स का वादा करती है। इसका टीजर 8 अगस्त, 2025 को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

# अवार्ड कोई पेंशन नहीं : उर्वशी

71वें नेशनल अवॉर्ड में उर्वशी रौतेला ने बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का खिताब अपने नाम किया। इसके बावजूद अभिनेत्री जूरी सदस्यों पर भड़कती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अवॉर्ड जीतने के बाद एक इंटरव्यू में नेशनल अवॉर्ड के चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उर्वशी रौतेला ने खुद को नेशनल अवॉर्ड के लिए सपोर्टिंग एक्ट्रेस की श्रेणी में शामिल किए जाने पर सवाल किया है। उन्होंने कहा, 'क्या अभिनय का कोई मानक होता है? या फिर ऐसा है कि एक निश्चित उम्र के बाद आपको बस यही मिलेगा?' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सवाल किया, 'यह पेंशन राशि नहीं है जिसे चुपचाप स्वीकार कर लिया जाए। ये फैसले कैसे लिए जाते हैं? किन मानदंडों का पालन किया जाता है?' आपको बताते चलें कि अभिनेत्री बेस्ट एक्ट्रेस की दौड़ में भी शामिल थीं। सवाल उठाने के पीछे ये भी कारण हो सकता है। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला को उल्लुझुकु फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस इन ए सपोर्टिंग रोल के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा इस फिल्म को मलयालम भाषा में बेस्ट फीचर फिल्म के लिए भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। उल्लुझुकु का निर्देशन क्रिस्टो टॉमी ने किया है। इस फिल्म में उर्वशी और पार्वती थिरुवोथु अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं इसमें अर्जुन राधाकृष्णन, एलेन्सियर ले लोपेज, प्रशांत मुरली और जया कुरुप जैसे कलाकार भी नजर आएं हैं। उर्वशी रौतेला के करियर फ्रंट की बात करें तो हाल ही में सनी देओल की फिल्म 'जाट' में उन्होंने एक आइटम नंबर किया था। इसके अलावा वह फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'कसूर 2' में भी नजर आने वाली हैं।

**नेशनल अवॉर्ड जीतने पर जूरी पर भड़कीं रौतेला**

# 'कैप्स कैफे' की घटना पर कपिल ने तोड़ी चुप्पी

कॉमेडियन कपिल शर्मा ने कनाडा में एक कैफे खोला है, जिसका नाम है कैप्स कैफे। बीते दिनों उस कैफे पर हमला हुआ था, जिसने सभी को हैरान कर दिया था। हालांकि, कॉमेडियन ने 20 जुलाई को जानकार दी थी कि उनका कैफे दोबार खुल गया है। अब कपिल शर्मा ने कुछ वीडियोज और फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें पुलिस अधिकारी उनके कैफे में स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेते दिख रहे हैं। वे सभी स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेते दिख रहे हैं और मुस्कुराते हुए आपस में बातें करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही बताते चलें कि एक अन्य पोस्ट में कपिल ने इसी दौरान के कुछ फोटोज भी शेयर किए हैं। इसके अलावा कॉमेडियन ने गोलीबारी घटना पर भी पहली बार कुछ प्रतिक्रिया दी है। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेयर ब्रेंडा और कनाडा के सरे शहर के सभी पुलिस अधिकारी आप सभी हमारे कैफे में आए और अपना प्यार और समर्थन दिया, इसके लिए धन्यवाद। हम लोग साथ मिलकर हिंसा के खिलाफ लड़ सकते हैं। हम आपके शुक्रगुजार हैं।'कॉमेडियन कपिल शर्मा और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने कनाडा में एक कैफे खोला। इसके कुछ ही दिन बाद इस पर हमला हुआ। पुलिस के मुताबिक 10 जुलाई को, सरे स्थित कैप्स कैफे के बाहर सुबह 1:50 बजे (स्थानीय समयानुसार) कई गोलियां चलीं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के समय कुछ कर्मचारी रेस्टोरेंट के अंदर मौजूद थे। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था।

**बोले- हम सभी पुलिस अधिकारियों के शुक्रगुजार हैं**

# बेहद खतरनाक होता है इस जीव का डंक, गर्म सुई घुसने जैसा दर्द

एशियाई ततैया सामान्य ततैयों से काफी अलग है। वह कई मधुमक्खियों को खत्म कर रहा है। इसके डंक कुछ ज्यादा ही खतरनाक होता है। ऐसा लगता है जैसे कोई बहुत ही गर्म सुई चुभ रही है। इंसानों को कई जीवों से खतरा होता है। इनमें कीट पतंगे भी शामिल होते हैं। हाल ही में ब्रिटेन के लोगों ने एक्सपर्ट्स ने एशियन हॉर्नेस्ट यानी एशियाई ततैये से आगाह किया है, क्योंकि कुछ समय से ये ज्यादा ही दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में एक्सपर्ट्स सलाह दे रहे हैं कि इस ततैये के डक को हलके में नहीं लिया जाए। क्योंकि यह बहुत खतरनाक होता है। यह कीट एक दिन में लगभग 50 मधुमक्खियों को खा सकता है, और इसका एक झुंड 30,000 से अधिक मधुमक्खियों के छत्ते को नष्ट कर सकता है। कहा जाता है कि एशियाई ततैया मनुष्य को अब तक पता लगे सबसे खतरनाक डंकों में से एक है, जिसकी तुलना अक्सर लाल-गर्म सुई से चुभने से की जाती है। माना जाता है कि एशियाई हॉरनेट 2004 में चीन से फ्रांस भेजे गए एक मालवाहक शिपमेंट के जरिए पहुंचा था। 2024 में इन्हें 71 बार देखा गया और इनके 24 छत्ते पाए गए थे। अभी इनकी आबादी के बारे में साफ साफ तो पता नहीं चला है कि लेकिन इन्हें हटाने का कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है। आक्रामक प्रजातियों में ततैया और अन्य हॉर्नेट की तुलना में थोड़ा अंतर होता है। सबसे बड़ा अंतर पैर का होता है। एशियाई हॉर्नेट के पैर पीले होते हैं। उन्हें आमतौर पर उन्हीं के जैसी प्रजाति के ततैयों की तुलना में अधिक आक्रामक माना जाता है। वे बिना उकसावे के भी डंक मार सकते हैं। वेल फ़ार्मेसी चाहती है कि जनता जानें और समझें कि वे एशियाई ततैया के काटने पर खुद का या दूसरों का इलाज कैसे कर सकते हैं। एशियाई हॉर्नेट के डंक मारने पर किस तरह के उपचार करना चाहिए और सबसे पहले क्या क्या करना चाहिए, इस बारे में वेल फ़ार्मेसी के जॉर्ज संधू ने कुछ दिशानिर्देश बताए हैं जो दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। यह डंक सामान्य डंक की तुलना में ज्यादा दर्दनाक हो सकता है। इसके डंक का टुकड़ा निकालने की जरूरत नहीं होती है क्योंकि डंक का कोई हिस्सा शरीर के अंदर नहीं छूटता है। इसकी जगह घाव को साबुन और ठंडे पाने से साफ करना चाहिए। भले ही घाव कितना ही छोटा क्यों ना हो? इसके बाद घाव पर बर्फ लगाना राहत दे सकता है। इसके बाद लक्षणों पर नज़र रखते हुए तुरंत आपात चिकित्सा के लिए जाना चाहिए। क्योंकि हो सकता है कि कुछ लोगों को कुछ देर बाद गले में घुटन के साथ सांस लेने में भी तकलीफ होने लगे। वहीं कई लोगों को इस डंक के लगने से एलर्जी भी होती देखी गई है।

अजब-गजब | बीच पर रेंगते दिखे बहुत से समुद्री जहरीले सांप

# शख्स ने टोपी में किया जमा!

एक वायरल वीडियो में एक शख्स ने बीच पर घूम रहे छोटे छोटे समुद्री जहरीले करैत सांपों को रेस्क्यू किया। उसने अपने टोपी में छोटे छोटे सांपों को पूंछ से पकड़ कर डाला और उन्हें एक साथ समुद्र में जाकर पानी में छोड़ा। इसमें कोई शक नहीं कि सभी सांप खतरनाक नहीं होते। लेकिन फिर भी लोग सांपों से उलझना पसंद नहीं करते हैं। खासतौर से ऐसे सांपों से बिलकुल नहीं दो कि खतरनाक हों। फिर भी कुछ लोग सांपों से ऐसे खेल लेते हैं, उन्हें ऐसे पकड़ लेते हैं जैसे उनके लिए बच्चों की बात है। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि एक बार आप सांपों को समझ जाएं तो उनकी सीमाएं पता चल जाती हैं और आप फिर उनसे आसानी से निपट सकते हैं और उनके साथ खेल भी सकते हैं। फिर सांपों को आसानी से पकड़ना लोगों को अजीब ही बात लगती है। ऐसा ही कुछ एक शख्स के साथ हुआ जब उसने एक बीच पर कई सांप देखे, लेकिन उसने उन्हें पकड़ा अपने कैप में जमा किया और दूर जाकर समुद्र के पानी में उन्हें फेंक दिया। इस तरह उसने 10 जहरीले समुद्री सांपों को रेस्क्यू किया। समुद्र किनारे बहुत से जीव लहरों के साथ बह कर चले आते हैं। इनमें कई बार जहरीले सांप भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर बीच पर सांप के रेंगने के निशान देखने को मिलें तो सावधान हो जाना चाहिए। ये सांप खतरनाक साबित हो सकते हैं और अगर लापरवाही बरती गई तो वे काट भी सकते हैं। ऐसे में बीच पर सांप के जहर का इलाज समय पर ना मिल पाना भी मुसीबत बन सकता है। लेकिन इस शख्स को इन सांपों का डर नहीं था। उसने आराम से हर सांप को पूंछ पकड़कर उठाया था। शख्स ने जिस तरह से सांप उठाए। उससे यह बात समझ में नहीं आई कि उसने सांपों का रेस्क्यू किया या फिर बीच पर घूम रहे इंसानों का क्योंकि सांप को बीच से हटाने के साथ उसने बीच पर सांप काटने की घटनाओं की संभावनाओं को भी खत्म किया था। पर शख्स का दावा है कि उसने विलुप्त होने का खतरा झेल रही जहरीले सांपों की एक प्रजाति को रेस्क्यू किया है।

# बिहार में डोमिसाइल नीति लागू

## तेजस्वी बोले- यह हमारी बड़ी जीत है

## राजद ने बनाया था इस बार के चुनाव में इसे मुख्य मुद्दा

» अब शिक्षक बहाली में राज्य के निवासियों का होगा फायदा : नीतीश कुमार

» लंबे समय से इस नीति को लागू करने की आम बिहारी कर रहा था मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सीएम नीतीश ने डोमिसाइल नीति लागू कर एक बड़ा चुनावी दांव चल दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक और लोकलुभावन कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी शिक्षकों की भर्ती में डोमिसाइल नीति की घोषणा कर बड़ा चुनावी दांव खेल दिया है। इससे पहले भी नीतीश ने कई ऐलान किये हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जहां तक डोमिसाइल की बात है हमने इस बात को पहले ही कहा था कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम इसे लागू करेंगे। यह सरकार वही कर रही है जो तेजस्वी कह रहा है। आने वाले दिनों में आप देखना कि वे माई बहन मान योजना की भी कॉपी करेंगे। उनके पास अपना कोई विजन या रोडमैप नहीं है। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने युवाओं को साधने के लिए ये बड़ा चुनावी दांव चला है। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि टीआई 4 और 5 में अब डोमिसाइल नियम लागू किया जाएगा। यानी अब केवल बिहार के स्थायी निवासी ही इस परीक्षा में भाग लेने के पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री का कहना था कि राज्य के युवा काफी समय से इस मांग को लेकर आंदोलनरत थे और अब सरकार ने उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए ये निर्णय लिया है। नीतीश के इस फैसले पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है जनता की जीत है। उन्होंने सीएम नीतीश पर करारा हमला बोला और कहा 20 साल में इन्होंने कुछ नहीं किया डोमिसाइल के लिए छात्र संघर्ष कर रहे थे। जब इन्होंने देख लिया है कि जनता ने उन्हें हटाने का मन बना लिया है तो अब डोमिसाइल नीति लागू कर रहे हैं। अब बिहार में डोमिसाइल लागू करने से जनता भ्रम में आने वाली नहीं है।

### डोमिसाइल नीति क्या है, किसे होगा फायदा?

इस नीति के लागू होने के बाद जो भी संबंधित राज्य का वोटर होगा, वो ही नौकरियों के लिए भर्ती में अप्लाई कर पाएगा। केवल वही अभ्यर्थी राज्य में होने वाली परीक्षा में बैठ सकेंगे, जो बिहार के मूल निवासी हैं और जिनके पास वैध डोमिसाइल सर्टिफिकेट होगा। किसी राज्य में किसी भी विभाग में नौकरी के लिए भर्ती प्रक्रिया में डोमिसाइल नीति लागू होने का मतलब है कि इस भर्ती में उस राज्य के लोग ही अप्लाई कर सकते हैं। नौकरी देने में सिर्फ उस राज्य के निवासियों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। अगर अभिभावक उस राज्य के निवासी हैं तो बच्चों को, या शादी होने के बाद पति उस राज्य का निवासी है तो पत्नी को, या उस राज्य में अगर आपका स्थायी घर है, तो इस तरह की शर्तों को पूरा करने पर आप डोमिसाइल की कैटेगरी में शामिल हो सकते हैं। डोमिसाइल नीति लागू होने से तत्काल होने वाली शिक्षक भर्ती परीक्षा में बिहार के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

### बिहार में डोमिसाइल का मुद्दा नया नहीं

डोमिसाइल का मुद्दा बिहार के लिए नया नहीं है। यह पहले से ही नीतीश के लिए चुनावी मुद्दा रहा है। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में भी सीएम नीतीश कुमार ने डोमिसाइल नीति लागू करने का वादा किया था। लेकिन, जब जीत मिली और नीतीश की सरकार बनी तो सीएम नीतीश ने इसे लागू भी कर दिया। मगर ये लंबे समय तक नहीं रह पाया और ढाई साल बाद जुलाई 2023 में इसे खत्म भी कर दिया गया था। उस वक्त सरकार ने तर्क दिया था कि स्कूलों में मैथ्स और साइंस पढ़ाने के लिए अच्छे टीचर्स नहीं मिल रहे थे। डोमिसाइल नीति हटाने के बाद प्रदेश में लंबे समय तक छात्रों ने आंदोलन भी किया और विरोध प्रदर्शन के साथ नारा दिया गया था- %वोट दे बिहारी और नौकरी ले बाहरी, अब ये नहीं चलेगा।% अब सीएम नीतीश का ये फैसला ऐसे समय में आया है, जब राज्य में चुनावी माहौल गरम है और विपक्ष लगातार सरकार पर रोजगार और शिक्षा के मोर्चे पर विफल रहने के आरोप लगा रहा है।

### झांसे में नहीं आएंगे बिहारीः जदयू

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि सीएम नीतीश ने राज्यहित में डोमिसाइल नीति लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। हमने तो ये बड़ा फैसला बिहार के युवाओं के हित में लिया है लेकिन अब विपक्ष, खास कर राजद यह नजीर पेश करे कि हरियाणा से लाकर आप राज्यसभा में लोगों को नामित नहीं करेंगे ये लोग बिहार के कार्यकर्ताओं की हाक़मरी करते हैं। ऐसा करना कब बंद करेंगे।

# इंग्लैंड में मो. सिराज ने की बुमराह के रिकॉर्ड की बराबरी

» पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में लिए 23 विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत भारतीय टीम सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में इस मुकाबले में सिराज ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उन्होंने पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया और भारत को रोमांचक जीत दिलाने में सफल रहे।

भारत अगर सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रहा तो इसमें सिराज का योगदान बड़ा था। भारत के स्टार तेज गेंदबाज बुमराह कार्यभार प्रबंध के कारण इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच ही खेले। जिन दो मैचों में बुमराह नहीं खेले उसमें सिराज ने अपने दम दिखाया। सिराज ने अपने दमदार प्रदर्शन से कुछ रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। सिराज ने पांच मैचों की इस सीरीज में कुल 23 विकेट लिए जो उनका एक टेस्ट सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। सिराज ने इंग्लैंड में सर्वाधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों के मामले में बुमराह की बराबरी कर ली है। बुमराह ने 2021-22 में इंग्लैंड के खिलाफ 23 विकेट लिए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर भुवनेश्वर कुमार हैं जिन्होंने 2014 में इंग्लैंड दौरे पर 19 विकेट चटकाए थे। वहीं यह शुभमन गिल की अगुआई में एक युवा टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन है। किसी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस दौरे से पहले पसंदीदा नहीं बताया था। हालांकि, गिल की युवा टीम ने सभी आलोचकों का मुंह बंद कर सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया।

### भारत की डब्ल्यूटीसी के नए चक्र में अच्छी शुरुआत

शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट मैच छह रनों से जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नए चक्र 2025-27 में भारत की यह पहली सीरीज थी। इतना ही नहीं, भारत इस दौरे पर गिल के नेतृत्व में खेलने उतरा था जो पहली बार लाल गेंद के प्रारूप में कप्तानी कर रहे थे। भारत भले ही इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सका, लेकिन उसने रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर मेजबान टीम के मुंह से जीत छीन ली। पांचवें टेस्ट में मिली जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में फायदा पहुंचा है। ओवल टेस्ट से पहले भारत डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में चौथे स्थान पर था, लेकिन अब वह तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है। भारत के फिलहाल पांच मैचों में दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 28 अंक हैं, जबकि उसकी पीसीटी 46.67 है। भारत से आगे शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया और दूसरे स्थान पर श्रीलंका है।

# एसआईआर को लेकर राहुल-तेजस्वी की यात्रा कैंसिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में वोटर लिस्ट एसआईआर के विरोध में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की वोट अधिकार यात्रा स्थगित कर दी गई है। ऐसा तब हुआ है जब तेजस्वी को निर्वाचन विभाग से नोटिस मिला है। वहीं थाने में उन पर एफआईआर भी कराई गई है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस ने 10 अगस्त को वोट अधिकार यात्रा निकालने का फैसला लिया था, लेकिन बाद में इस यात्रा को स्थगित कर दिया गया। इसकी जानकारी राजद ने दी है।

राष्ट्रीय जनता दल ने सोमवार को वोट अधिकार यात्रा को स्थगित करने के संबंध में एक पत्र जारी किया है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की वोट अधिकार यात्रा को आगे बढ़ाया गया है। पहले यह यात्रा राखी के बाद 10 अगस्त से होनी थी। हालांकि, यात्रा की नई तारीख अभी जारी नहीं की गई है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के वोट अधिकार यात्रा कार्यक्रम की सूचना निर्गत की गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से यात्रा कार्यक्रम की तिथि में बदलाव हुआ है, इसलिए नई तिथि की घोषणा तक इस सूचना को निरस्त माना जाए। आगामी कार्यक्रम की सूचना समय पर दी जाएगी।

यात्रा टालने की वजह का कोई नहीं किया गया जिक्र

### हो चुका है ड्राफ्ट जारी

बता दें कि बिहार मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने 1 अगस्त को पहला संशोधित वोटर लिस्ट ड्राफ्ट जारी किया था। राज्य के सभी 38 जिलों के लिए जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में सबसे ज्यादा वोटरों के नाम पटना जिले में कटे हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मधुबनी और तीसरे नंबर पर पूर्वी चंपारण है।

# लोकधुनों की सुरमयी उड़ान स्वर पांखुरी का भव्य समापन

» गीत संगीत और परंपरा की संगम स्थली बना आमोद आश्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अल्पिका साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्वर पांखुरी का समापन आज आमोद आश्रम सांस्कृतिक परिसर में पारंपरिक लोकधुनों की गूंज और भावनात्मक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस कार्यशाला ने न सिर्फ लोकगीतों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया बल्कि विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों को भारतीय लोकसंस्कृति की विविधता से जोड़ने का भी एक सशक्त माध्यम बना।

लोकगीतों की जीवंत प्रस्तुति समापन समारोह में भोजपुरी अवधी, ब्रज और बुंदेली लोकगीतों की जीवंत प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया। झूमर, झूला, कजरी और शिव भजनों की मधुर लहरियों ने उपस्थितजनों को एक सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाने का कार्य किया। मंच पर उभरते कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चलो मन गंगे यमुना तीरे जैसे पारंपरिक गीतों ने दर्शकों को तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भावनात्मक स्पर्श भी प्रदान किया।

# अंतिम विदाई आज, तुमको भूल नहीं पाएंगे शिबू सोरेन

## अपने नेता को श्रद्धांजलि देने उमड़ा जनसैलाब, राहुल गांधी, खड़गे समेत तमाम बड़े नेता अंतिम संस्कार में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार आज बोकारो जिले के बड़का नाला के पास उनके पैतृक गांव नेमरा में किया जाएगा। 81 वर्षीय आदिवासी नेता और वरिष्ठ राजनेता ने कल सुबह नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में किडनी संबंधी समस्याओं से जुड़ी लंबी बीमारी के बाद अंतिम सांस ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के नेता राहुल गांधी सहित कई नेतागण नेमरा में अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होंगे।

शिबू सोरेन के छोटे बेटे बसंत सोरेन अंतिम संस्कार करेंगे और चिता को अग्नि देंगे। शिबू सोरेन के निधन के बाद झारखंड सरकार ने 4 अगस्त से 6 अगस्त तक तीन दिवसीय

### विरोधी भी कर रहे हैं तारीफ

भाजपा नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने शिबू सोरेन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज मैंने अपनी जिंदगी में अगर राजनीति में यह मुकाम हासिल किया है, तो उसकी मूल वजह गुरूजी हैं। उन्होंने ही हमें राजनीति का ककहरा सिखाया है। हम उनके साथ कई तरह के आंदोलन में शामिल रहे। वे हमारे मार्गदर्शक रहे। उन्होंने आदिवासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कई काम किए। उन्होंने जल, जीवन और जंगल को बचाने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए। झारखंड की जनता उन्हें कभी नहीं भूल सकती है। वे मेरे राजनीतिक गुरू रहे।

राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द रहेंगे। राज्य भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे और कोई भी आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा। झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने बताया कि शिबू सोरेन को आज पूरा झारखंड नम आंखों से विदाई देगा। किसी व्यक्ति का पूरा जीवन कैसा रहा उसे लेकर लोग क्या सोचते हैं, लोगों के बीच उसकी छवि कैसी रही, यह उसकी जिंदगी की अंतिम यात्रा के दौरान साफ जाहिर हो जाता है। आज पूरा झारखंड इस बात को लेकर दुखी है कि गुरु जी हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि गुरु जी के नहीं रहने से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे विश्व में गम का माहौल है। वे हमारे अभिभावक थे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ कमाया। आज उनके चाहने वाले गमजदा हैं। आज बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए आ रहे हैं। गुरु जी का व्यक्तित्व अतुलनीय था। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए झारखंड के लोगों के लिए कई ऐसे फैसले लिए जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने हमारे बीच एक ऐसा आदर्श छोड़ा है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

### सपा दफ्तर में दी गयी श्रद्धांजलि

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री आदिवासी, वंचित समाज की बुलंद आवा? दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। अखिलेश यादव ने ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई। दो मिनट मौन रहकर उनके प्रति श्रद्धा अर्पित की गई।

# कर्नाटक में परिवहन कर्मचारियों का आंदोलन तेज, बस सेवाएं ठप्प

## कर्नाटक में परिवहन कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के खिलाफ परिवहन कर्मचारियों का प्रदर्शन तेज हो गया है। राज्य के स्वामित्व वाले परिवहन निगमों के कर्मचारी संघ ने 5 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया, जिसका असर सुबह से ही देखने को मिला। कर्नाटक में परिवहन कर्मचारियों की हड़ताल के चलते राज्य के विभिन्न जिलों में सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप है। धारवाड़, हुबली, गडग, मांड्या समेत राज्य के अधिकतर इलाकों में हड़ताल का ट?यापक असर है।

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) और उत्तर पश्चिम कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (एनडब्ल्यूकेआरटीसी) की बसें मंगलवार को सड़कों पर नहीं उतरीं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धारवाड़, हुबली, गडग और मांड्या समेत राज्य के अधिकतर इलाकों में हड़ताल का असर है।

परिवहन कर्मचारियों की हड़ताल से अनजान ग्रामीण इलाकों से आए लोग स्टेशनों पर बैठे हैं। धारवाड़ जिले में केएसआरटीसी और हुबली-धारवाड़ बीआरटीएस की सेवाएं पूरी तरह बंद होने से बस स्टैंडों पर यात्री परेशान नजर आए। बहुत लोग मजबूरी में निजी बसों और वाहनों का सहारा ले रहे हैं। गडग जिले में भी एनडब्ल्यूकेआरटीसी की 561 बसें, जो 8 डिपो से रोजाना चलती थीं, मंगलवार को सड़कों पर नहीं दिखीं।

### उठाये जा रहे हैं कदम

हुबली में एनडब्ल्यूकेएसआरटीसी की प्रबंध निदेशक एम. प्रियंगा ने बताया कि यात्रियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन एक आवश्यक सार्वजनिक सेवा है और कर्मचारियों को हड़ताल में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन किया जाना चाहिए और सरकार इस मुद्दे को लेकर सकारात्मक रूप से जवाब दे चुकी है।

### बकाया वेतन दे सरकार

कर्मचारी संघ इस बात पर अड़े हैं कि उन्हें 38 महीने का बकाया भुगतान किया जाए और 1 जनवरी 2024 से वेतन वृद्धि लागू की जाए। हालांकि, कर्नाटक सरकार की ओर से इन कर्मचारियों को मनाने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी सोमवार कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल से मिले, लेकिन यह बैठक बेनतीजा रही। इसके बाद 5 अगस्त को कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

# चाईबासा कोर्ट में हाजिर होंगे राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

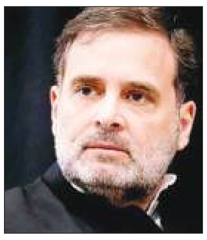

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में 6 अगस्त को हाजिरी लगाएंगे। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की।

### 2022 में जारी हुआ था वारंट

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इसपर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

### राहुल गांधी ने मांगी थी छूट

राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें कई महीनों तक राहत मिली थी। मार्च, 2024 में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका निष्पादित कर दी। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट में आवेदन दाखिल कर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट की मांग की थी, लेकिन इसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया।

# उत्तराखंड में हादसा : गाड़ी पर गिरा मलबा, दो की मौत, छह लोग घायल

## » लागातार हो रहे हैं हादसे मर रहे लोग, बेसुध प्रशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोटद्वार। उत्तराखंड के कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर आज सुबह तड़के एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है जहां एक यात्रियों से भरी गाड़ी पर पहाड़ी से अचानक मलबा गिर गया। इस घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। खबर है कि कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर एक मैक्स सवारी गाड़ी जा रही थी, तभी पहाड़ी से भारी तादाद में मलबा गाड़ी पर गिर गया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू किया। साथ ही घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर भारी वर्षा के कारण टैक्सी वाहन पर विशाल पत्थर गिरने से दो लोगों की दुखद मृत्यु तथा अन्य के घायल होने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। इस हृदयविदारक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। बाबा सिद्धबली महाराज से प्रार्थना करती हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से कामना करती हूं।

### बराबर दरक रहे पहाड़

उत्तराखंड में बीते कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिसके कारण क्षेत्र में पहाड़ों के दरकने की घटनाएं बढ़ रही हैं और इसी कारण यह हादसा हुआ है। फिलहाल प्रशासन ने सड़क मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित कर धीरे-धीरे यातायात शुरू किया है और यात्रियों से सावधानी बरतने की अपील की है। साथ ही प्रशासन ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों की निगरानी शुरू कर दी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
**website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।